पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ०प्र०
(राज्यपाल सूचना परिसर)
————————

राज्यपाल श्री राम कथा समापन समारोह में शामिल हुईं

————————

राज्यपाल ने राम कथा का श्रवण, व्यास पूजन एवं आरती में प्रतिभाग किया

————————

कथा श्रवण से समाज को प्रेरणा मिलती है

————————

रामायण एवं महाभारत के प्रेरक प्रसंगों को अपनाने से जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है

————————

समाज में अच्छे कार्यों से ही राम राज्य आएगा और यह सभी के प्रयासों से ही संभव होगा

–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

————————

कथा हमारी संस्कृति है तथा सत्संग से सद्भाव की प्राप्ति होती है

– कथावाचक श्री देवकीनंदन ठाकुर

————————

लखनऊ : 1 फरवरी, 2024

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज विश्व शांति सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में डी0ए0वी0 कॉलेज ऐशबाग, लखनऊ में कथावाचक श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज के द्वारा प्रस्तुत राम कथा के समापन समारोह में शामिल हुई।

राज्यपाल जी ने राम कथा का श्रवण किया व कथा समाप्ति उपरांत व्यास पूजन एवं आरती में प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में श्रद्धालुगणों को संबोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि विभिन्न प्रकार की कथाओं का लाभ समाज को ही होता है। कथा श्रवण से समाज को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि पौराणिक ग्रंथ रामायण एवं महाभारत के प्रसंग के बारे में धैर्य से सुनें एवं उसे अपनाएं तो जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बदलना स्वयं पर निर्भर करता है।

राज्यपाल जी ने कहा कि कथा के माध्यम से समाज की अच्छाइयों को आगे बढ़ाने का प्रयास हो सकता है। उन्होंने महात्मा बुद्ध के प्रसंग की चर्चा करते हुए कहा कि हमारा कार्य अच्छाइयों का प्रसार करना है एवं बुराइयों को दबाना है।

राज्यपाल जी ने कहा कि साधु संतों के द्वारा कथा के माध्यम से समाज में अच्छाई फैल रही है, सकारात्मक सोच के प्रति लोग प्रेरित हो रहे हैं एवं नकारात्मकता का भाव कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि समाज में अच्छे कार्यों से ही राम राज्य आएगा और यह सभी के प्रयासों से ही संभव होगा।

इस अवसर पर कथावाचक श्री देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि कथा हमारी संस्कृति है तथा सत्संग से सद्भाव की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि श्री राम विषम परिस्थितियों में भी निराश नहीं हुए, क्योंकि उनके पास सत्यता एवं चारित्रिक बल था। श्री ठाकुर ने श्रद्धालुओं को विभिन्न प्रकार की भक्ति का मार्ग अपनाने की सलाह दी। इस क्रम में संतों का संग, कथा प्रसंग, गुरु पद सेवा, कपट त्याग, शील स्वभाव व संतोष आदि गुणों को जीवन मे उतारने हेतु उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय, गणमान्य महानुभाव तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

————————

कृष्ण कुमार, सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र–9454468250

॥राम॥
श्री प्रियाकांताये नमः
॥श्री राधे॥